भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी)
दक्षिण सब जोनल ब्यूरो, दंडकारण्य

प्रेस वक्तव्य

दिनांक–07 जून, 2021

कॉमरेड् शोभराय की निर्मम हत्या की कड़े से कड़े शब्दों में निंदा करें!

6 जून को तेलंगाना पुलिस द्वारा हमारी पार्टी के दक्षिण सब जोनल कम्युनिकेशन विभाग के प्रभारी, डीवीसीएम कॉमरेड् शोभराय(गड्डम मधुकर) की निर्मम हत्या की हमारा दक्षिण सब जोनल ब्यूरो कड़े से कड़े शब्दों में निंदा करता है एवं इस क्रूर करतूत का विरोध करने तमाम मानवाधिकार संगठनों, प्रगतिशील–जनवादी बुद्धिजीवियों, मीडियाकर्मियों, वामदलों एवं क्रांतिकारी जनता से अपील करता है.

ज्ञात हो कि कॉमरेड् शोभराय को अस्वस्थता के कारण इलाज के लिए तेलंगाना के वारंगल शहर भेजा गया था जहां तेलंगाना एसआइबी ने 1 जून को उन्हें गिरफ्तार किया था. पुलिस ने बाकायदा इसकी सार्वजनिक घोषणा की थी. इतना ही नहीं उन्हें अस्पताल में भर्ती कर बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने का ढिंढोरा पीटा गया. फिर 6 जून को कोरोना से उनकी मौत होने का बयान मीडिया को दिया गया. दरअसल सच्चाई यह है कि 1 जून से 5 जून तक कॉमरेड् शोभराय को चिकित्सा सुविधा देने की बात तो दूर उन्हें अमानवीय तरीके से यातनाएं दी गयी एवं 6 जून को उनकी पाशविक तरीके से हत्या की गयी. एक पखवाड़े के भीतर ही ठीक इसी साजिशाना तरीके की यह दूसरी हत्या है. इसके पहले 27 मई को हमारे एक प्लाटून कमांडर कॉमरेड् गंगाल की हत्या की गयी. दक्षिण सब जोनल ब्यूरो हमारे प्यारे कॉमरेड् शोभराय को सिर झुकाकर विनम्र श्रद्धांजलि पेश करता है और उनके अधूरे आशयों की पूर्ति का संकल्प लेता है.

हमारे कॉमरेड् शोभराय(गड्डम मधुकर) कोमरम भीम आसिफाबाद जिला बेज्जूर मंडल के कोंडापल्ली गांव के थे. वे 1999 में पार्टी में भर्ती हुए. उन्होंने एक साल तक सिरपुर दस्ते में काम किया. बाद में सन् 2000 में दंडकारण्य में उनका तबादला हो गया. दंडकारण्य में कुछ समय तक हथियार निर्माण विभाग में कार्य करने के बाद उनका तबादला जोन कम्युनिकेशन विभाग में हुआ था. पुलिस द्वारा हत्या किए जाने तक वे कम्युनिकेशन विभाग में ही अपनी सेवाएं देते रहे. शहादत के समय वे दक्षिण सब जोनल कम्युनिकेशन विभाग के इंचार्ज के पद पर कार्यरत थे. वे कैडर व जनता के साथ हमेशा घुल मिलकर रहते थे. लगनशील, अथक मेहनती कॉमरेड् शोभराय के विगत 22 सालों के क्रांतिकारी जीवन की सेवाओं को क्रांतिकारी जनता एवं पार्टी सदा याद करेंगी.

केंद्र की ब्राह्मणीय हिंदुत्व फासीवादी भाजपा की मोदी सरकार के दिशानिर्देशन में छत्तीसगढ़ एव तेलंगाना की जनविरोधी भूपेश बघेल और केसीआर की सरकारें हमारी पार्टी, पीएलजीए, जनताना सरकारों, जन संगठनों को खत्म करने के लिए समाधान–प्रहार हमलों में विगत नवंबर से अभूतपूर्व तेजी लायी हैं जिसके तहत पुलिस, दंडकारण्य में अर्ध–सैनिक, सैन्य व कमांडो बलों के कैंपों का विस्तार, उनके आधार पर लगातार गश्त एवं घेरो–मारो हमलों, ड्रोन हमलों सहित कई षड्यंत्रकारी व धोखेबाजीपूर्ण हथकंडे अपना रही हैं. माओवादी नेताओं व कार्यकर्ताओं के कोरोनाग्रस्त होने, विषाक्त भोजन के सेवन से गंभीर अस्वस्थता के शिकार होने, इलाज के अभाव में कइयों की मौत होने का झूठा व कुत्सित प्रचार किया जा रहा है. साथ ही पुलिस अधिकारी कोरोना के बहाने आत्मसमर्पण करने और तद्वारा बेहतर इलाज पाने का लालच दिखा रहे हैं. दरअसल जेनेवा समझौते के उसूलों, रासायनों का इस्तेमाल न करने के अंतर्राष्ट्रीय युद्ध नियमों को ताक पर रखकर, हमारी आपूर्ति व्यवस्था की किसी कमजोर कड़ी के माध्यम से खाद्य पदार्थों को विषाक्त बनाकर भेजा गया है जिसके चलते हमारे कुछेक कॉमरेड्स गंभीर रूप से अस्वस्थ हो गए थे जिनमें से अधिकांश कॉमरेड् स्वस्थ हो गए हैं. अत्यधिक गंभीर मामले में उचित इलाज के लिए भेजे गए हमारे दो कॉमरेडों की निर्दयतापूर्वक हत्या करने वाली सरकारें एक तरफ विषाक्त भोजन के कारण माओवादी नेताओं व कार्यकर्ताओं के बीमार होने व दूसरी ओर कोरोनाग्रस्त होने के सफेद झूठ व मनगढ़ंत कहानियां प्रचारित कर रही हैं. सरकारों के इस झूठे प्रचार पर तनिक भी भरोसा न करने, इसका जोरशोर से विरोध करने, क्रांतिकारी आंदोलन के खात्मे के लिए सरकारों द्वारा अपनाये जाने वाले उपरोक्त धोखेबाजीपूर्ण, साजिशाना, अमानवीय तौर–तरीकों का कड़ा विरोध करने हमारी पार्टी जनता एवं जनवादी ताकतों से अपील करती है.

समता,

प्रवक्ता

दक्षिण सब जोनल ब्यूरो

भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी)